DAY — 11 SEAT NUMBER | | | | | | |

2025 | VII | 07 | 1100 | **J-426** | (H)

BOOK KEEPING & ACCOUNTANCY (50)

Time : 3 Hrs. (12 Pages) Max. Marks : 80

प्र. १. निम्नलिखित में से सभी उपप्रश्नों को हल कीजिए : [२०]

(अ) निम्नलिखित दिए गए विकल्पों में से उचित विकल्प चुनकर वाक्यों को पूर्ण करके पुन: लिखिए : (५)

(१) संगणक की 'गणना' (Tally) प्रक्रिया (software) के अंतर्गत, सावधि जमा लेखा ——— समूह में आता है।

(अ) निवेश (विनियोग) (ब) चालू / वर्तमान देयताएँ

(क) बैंक खाता (ड) चालू / वर्तमान संपत्तियाँ

(२) स्वीकृति के पूर्व, विपत्र (bill) को ——— कहते हैं।

(अ) आदेश (ब) अनुरोध

(क) प्रारूप (ड) साधन

(३) यदि कोई संपत्ति साझेदार / साथीदार ने स्वयं रख ली है तो ——— लेखा समाकलित (credited) करते हैं।

(अ) पुन: मूल्यांकन (ब) पूँजी

(क) संपत्ति (ड) स्थिति-विवरण

(४) भवन-निधि हेतु दान ——— होती हैं/होता है।

(अ) राजस्व प्राप्तियाँ (ब) पूँजीगत प्राप्तियाँ

(क) पूँजीगत व्यय (ड) राजस्व व्यय

(५) भारतीय साझेदारी अधिनियम (Indian Partnership Act) को वर्ष ——— से अमल में लाया गया है।

(अ) १९३२ (ब) १८८१

(क) १९५६ (ड) १९८४

(ब) नीचे दिए गए प्रत्येक कथन के लिए पर्यायी एक शब्द / शब्द समूह / शब्द संज्ञा / वाक्यांश लिखिए : (५)

(१) अंशों को अंकित मूल्य से निर्गमित करना।

(२) संस्था के अनेक वर्षों की प्रतिष्ठा का प्राप्त मूल्य।

(३) विनियोजित पूँजी $\frac{\quad}{\text{(N R R)}}$ ——

(४) वो प्राप्तियाँ जिनकी प्रकृति आवर्ती (recurring) प्रकार की होती हों।

(५) वह पूँजी पद्धति जिसमें साझेदारों का पूँजी लेखा स्थिर रहता है।

(क) पूछे गए प्रश्नों के उत्तर केवल एक वाक्य में लिखिए : (५)

(१) साझेदार की मृत्यु तक के उसके मुनाफे / लाभ की राशि किस लेखे में स्थानांतरित करते हैं?

(२) विपत्र का भुगतान करने हेतु कितने अनुग्रह दिवस (grace days) दिए जाते हैं?

(३) दिवालिया साझेदार की पूँजी की कमी (deficiency) का जोख़िम किन्हें उठाना पड़ता है?

(४) प्रवेश-शुल्क क्या है?

(५) 'पूर्व-प्राप्त-आय' (pre-received income) का अर्थ क्या है?

(ड) दिए गए कथन अथवा वाक्यांश से अपनी सहमति अथवा असहमति लिखिए : (५)

(१) समापन के समय, रोक /बैंक खाता स्वत: बंद हो जाता है।

(२) वित्तीय विवरण में केवल स्थिति-विवरण का ही समावेश होता है।

(३) किसी साझेदार की निवृत्ति के समय बलिदान (त्याग) अनुपात (sacrifice ratio) विचाराधीन लिया जाता है।

(४) प्राप्ति-शोधन लेखा एक वास्तविक लेखा है।

(५) चालू लेखा सदैव विकलनाधिक्य (debit balance) दर्शाता है।

प्र. २. निशांत और योगेश दोनों साझेदारी व्यवसाय में अपना लाभ-हानि ३ : १ के अनुपात में बाँटते थे। उनका ३१ मार्च, २०२२ को स्थिति-विवरण निम्नलिखित था: **[१०]**

स्थिति-विवरण ३१ मार्च, २०२२ का

देयताएँ		**राशि (₹)**	**संपत्तियाँ**		**राशि (₹)**
पूँजी लेखे :			हस्तस्थ रोक (cash in hand)		३७,५००
निशांत	७५,०००		प्राप्य विपत्र		४५,०००
योगेश	८१,०००	१,५६,०००	अधमर्ण	७५,०००	
संरक्षित निधि		२४,०००	घटाएँ : सं.ऋ.स.	७,५००	६७,५००
उत्तमर्ण		४५,०००	उपस्कर		३०,०००
			स्कंध		४५,०००
		२,२५,०००			**२,२५,०००**

उन्होंने १ अप्रैल, २०२२ को निहारिका को १/५ हिस्सा देते हुए निम्नलिखित शर्तों पर साझेदारी में प्रवेश दिया :

(१) निहारिका को अपने हिस्से की ₹ ६०,००० की पूँजी-राशि लाना होगा।

(२) निहारिका को अपने हिस्से की ख्याति-रकम रोक में प्रदान करना होगा। ख्याति का मूल्यांकन ५ वर्ष की औसत-लाभ के ४ वर्षीय खरीद के आधार पर आगणित किया जाएगा।

पिछले ५ वर्षों का लाभ निम्नानुसार था :

२०१६-१७ – ₹ ३०,०००

२०१७-१८ – ₹ २२,५००

२०१८-१९ – ₹ ३७,५००

२०१९-२० – ₹ १५,०००

२०२०-२१ – ₹ २२,५००

(३) साझेदारी संस्था की संपत्तियों का पुनर्मूल्यांकन निम्न प्रकार से किया गया :
उपस्कर – ₹ २२,५००; प्राप्य विपत्र – ₹ ६०,०००;
स्कंध – ₹३०,०००; सं.ऋ.स. – ₹ १५,००० तक बढ़ानी होगी।

(४) वस्तु क्रय करने पर देय विपत्र की स्वीकृति की प्रविष्टि पुस्तकों में नहीं की गई ₹ ७,५००

तैयार कीजिए :

(अ) पुनर्मूल्यांकन लेखा

(ब) साझेदारों का पूँजी लेखा

(क) नई संस्था का स्थिति-विवरण

अथवा

रिद्धि , सिद्धि और कीर्ति तीनों एक संस्था में साझेदार हैं। वे साझेदारी संस्था के व्यावसायिक लाभ-हानि को ३ : १ : १ के अनुपात में बाँटते हैं।

उनकी साझेदारी के स्थिति-विवरण का ३१ मार्च, २०२० का प्रमाणित लेखा-जोखा निम्नानुसार है :

स्थिति विवरण ३१ मार्च, २०२० का

देयताएँ	राशि (₹)	संपत्तियाँ	राशि (₹)
उत्तमर्ण	४५,०००	मोटर ट्रक	१,१०,०००
देय विपत्र	३०,०००	यंत्र और संयत्र	४०,०००
सामान्य संचिति	५५,०००	भवन	८०,०००
पूँजी लेखे :		पशुधन	५५,०००
रिद्धि	१,३०,०००	अधमर्ण	६५,०००
सिद्धि	१,०५,०००	आत्मधृत संपत्ति	५२,५००
कीर्ति	५५,०००	बैंक	१७,५००
	४,२०,०००		**४,२०,०००**

१ अप्रैल, २०२० को कीर्ति निम्न शर्तों पर निवृत्त हुई :

(१) साझेदारी संस्था की ख्याति का मूल्यांकन ₹ ५०,००० हुआ और उसे व्यवसाय में ही रखने का निर्णय लिया गया।

(२) संपत्तियों का पुनर्मूल्यांकन निम्नानुसार हुआ :
अधमर्ण – ₹ ५७,०००, पशुधन – ₹ ६५,०००, भवन – ₹ ८२,०००, यंत्र व संयंत्र – ₹ ४१,०००, मोटर ट्रक – ₹ १,००,०००

(३) रिद्धि और सिद्धि ने अतिरिक्त पूँजी नेट-बैंकिंग (RTGS) के माध्यम से ₹ ५५,००० एवं ₹ ३०,००० क्रमशः स्थानांतरित किए।

(४) कीर्ति को देय राशि उसके ऋण लेखे में स्थानांतरित कीजिए।

नई संस्था की लेखा पुस्तकों में पंजी प्रविष्टियाँ दीजिए।

प्र. ३. विराट, रोहित और हार्दिक तीनों साझेदार हैं। वे अपनी व्यावसायिक लाभ-हानि २ : २ : १ के अनुपात में विभाजित करते हैं। उन्होंने ३१ मार्च, २०२१ को व्यवसाय-समापन का निर्णय लिया, तब उनका स्थिति-विवरण निम्नानुसार था : **[१०]**

स्थिति विवरण ३१ मार्च, २०२१ का

देयताएँ	राशि (₹)	संपत्तियाँ	राशि (₹)
पूँजी लेखा :		भवन	१,५६,०००
विराट	५२,०००	उपस्कर	९०,०००
रोहित	४४,०००	ख्याति	७०,०००
हार्दिक	३६,०००	अधमर्ण	४०,०००
उत्तमर्ण	२,४०,०००	बैंक	१६,०००
	३,७२,०००		**३,७२,०००**

उन्होंने निम्नलिखित स्वरूप सुनिश्चित कर व्यवसाय का समापन घोषित किया :

(१) संपत्तियों का पुनर्मूल्यांकन हुआ :
भवन – ₹ ८०,०००, उपस्कर – ₹ ६०,०००, अधमर्ण – ₹ २०,०००

(२) वसूली व्यय (Realisation expenses) ₹ ४,००० हुआ।

(३) सभी साझेदार दिवालिया घोषित हुए और रोहित से ₹ ४,०००, तथा विराट से ₹ ४,००० प्राप्त हुए।

उपरोक्त लेखे बंद करने के लिए आवश्यक लेखे तैयार कीजिए।

अथवा

१ अप्रैल, २०२२ को दिशा ने ₹ ५०,००० का माल प्रिया को बेचा। प्रिया ने उसी तारीख को दिशा द्वारा बनाए विपत्र को ३ माह की अवधि के लिए स्वीकृत किया।

३० जून, २०२२ को प्रिया ने दिशा से अनुरोध कर विपत्र नवीनीकरण करने की प्रार्थना की। दिशा सशर्त सहमत हो गई कि – प्रिया ₹ २०,००० तुरंत नगद दे और शेष राशि का नया –विपत्र ब्याज ₹ ६०० के साथ स्वीकार करे।

दिशा के दो महीने के लिए निकाले हुए नए विपत्र को शेष राशि ब्याज सहित प्रिया ने स्वीकार किया। प्रिया ने नए विपत्र की दातव्य तिथि को, उसका शोधन कर लिया।

दिशा की पुस्तकों में दैनिक पंजी प्रविष्टियाँ और प्रिया का लेखा प्रस्तुत कीजिए।

प्र. ४. धीरज, सूरज और लीना आपस में साझेदारी व्यवसाय करते थे। वे लाभ–हानि २:१:१ के अनुपात में क्रमानुसार बाँटते थे। उनका ३१ मार्च, २०२२ का स्थिति–विवरण निम्नानुसार था: **[८]**

स्थिति विवरण ३१ मार्च, २०२२ का

देयताएँ		**राशि (₹)**	**संपत्तियाँ**	**राशि (₹)**
पूँजी खाते –			स्कंध	१७,०००
धीरज	२३,०००		उपस्कर	१८,०००
सूरज	१५,०००		भूमि एवं भवन	१६,०००
लीना	१२,०००	५०,०००	बैंक	३७,०००
उत्तमर्ण		२२,०००		
सामान्य संचिति		१६,०००		
		८८,०००		**८८,०००**

३० जून, २०२२ को –

लीना की मृत्यु हुई और निम्नलिखित समायोजनाएँ की गईं।

(१) स्कंध, उपस्कर और भूमि एवं भवन का पुनर्मूल्यांकन कराया गया जो क्रमानुसार ₹ १६,७००, ₹ १६,२००, ₹ ३०,१०० हुआ।

(२) लीना का ख्याति में हिस्सा पिछले ४ वर्षों के औसत लाभ की ३ वर्षीय खरीद को आधार बनाकर आगणित किया जाएगा।

पिछले ४ वर्षों का लाभ इस प्रकार था :

प्रथम वर्ष	₹ ३०,०००
द्वितीय वर्ष	₹ २५,०००
तृतीय वर्ष	₹ २५,०००
चतुर्थ वर्ष	₹ ४०,०००

(३) मृत्यु की तिथि तक का लीना का लाभ में हिस्सा मात्र पिछले १ वर्ष के लाभ के आधार पर ही आगणित किया जाएगा।

(४) पूँजी जमा पर १०% प्र.व. की दर से ब्याज दिया जाएगा।

(५) मृत्यु की तिथि तक लीना का आहरण ₹ २,७०० था।

तैयार कीजिए : (अ) लीना का पूँजी–लेखा

(ब) लीना के ख्याति में हिस्से की गणना

(क) लीना की मृत्यु–तिथि तक लाभ का आगणन

प्रस्तुत कीजिए।

अथवा

लेखांकन पैकेजेस (लेखांकन समुच्चय प्रक्रिया) (accounting packages) के विविध प्रकार स्पष्ट कीजिए।

प्र. ५. सरस्वती एण्ड संस लिमिटेड, नागपुर ने ५०,००० समता अंश ₹ १० प्रति-अंश पर निर्गमन करने के लिए आवेदन निम्नानुसार आमंत्रित किए हैं इन पर निम्नानुसार राशि देय है: **[८]**

आवेदन पर	₹ ३
आबंटन पर	₹ ३
प्रथम व अंतिम याचना पर	₹ ४

कुल ५०,००० अंशों के लिए आवेदन प्राप्त हुए और आबंटित हुए। केवल ५,००० अंशों की प्रथम व अंतिम याचना राशि प्राप्त नहीं हुई तथा उन्हें जप्त कर लिया गया। शेष सभी राशि प्राप्त हुई है।

सरस्वती एण्ड संस लिमिटेड की लेखा पुस्तकों में पंजी प्रविष्टियाँ कीजिए।

अथवा

ओलम लिमिटेड के स्थिति-विवरण का लेखा-जोखा ३१ मार्च, २०२१ के संदर्भ में निम्नलिखित है :

स्थिति विवरण ३१ मार्च, २०२१ को

देयताएँ	**राशि (₹)**	**संपत्तियाँ**	**राशि (₹)**
समता अंश पूँजी	४,५०,०००	स्थिर संपत्ति	४,५०,०००
पूर्वाधिकार अंश पूँजी	४०,०००	विनियोग	७५,०००
संचिति और अतिरेक	७५,०००	चालू संपत्ति	३,६५,०००
सुरक्षित ऋण	१,५०,०००		
असुरक्षित ऋण	१,००,०००		
चालू देयताएँ	७५,०००		
	८,९०,०००		**८,९०,०००**

ओलम लिमिटेड द्वारा दिए उपरोक्त स्थिति-विवरण के आधार पर ३१ मार्च, २०२१ को समाप्त वर्ष का सामान्य-आकार (common-size) विवरण तैयार कीजिए।

प्र. ६. गजानन चैरिटेबल अस्पताल, यवतमाल द्वारा निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत की जा रही है। ३१ मार्च, २०२१ को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय-व्यय लेखा और उसी तिथि का स्थिति-विवरण तैयार कीजिए : **[१२]**

स्थिति-विवरण १ अप्रैल, २०२० को

देयताएँ	राशि (₹)	संपत्तियाँ	राशि (₹)
पूँजी कोष	५,५०,०००	अस्पताल उपकरण	१,५२,०००
बैंक ऋण	३,२५,०००	रोगी-वाहन (एंबूलेंस)	२,००,०००
दवाई का अदत्त बिल	२५,०००	भवन	५,२५,०००
		दवाओं (औषधि) का स्कंध	२१,०००
		हस्तस्थ रोक	२,०००
	९,००,०००		**९,००,०००**

प्राप्ति-शोधन लेखा ३१ मार्च २०२१ को

विक. **समा.**

प्राप्तियाँ	राशि (₹)	शोधन	राशि (₹)
आधिक्य अ./आ.	२,०००	कर्मचारी का वेतन	४२,५००
आजीवन सदस्यता शुल्क	१५,०००	चिकित्सक का मानदेय	२,००,०००
अस्पताल प्राप्तियाँ (आयगत)	२,५५,२००	दुरुस्ती	९,०००
सदस्यता शुल्क	१,११,०००	उपस्कर	२२,५००
		सामान्य खर्च	८,०००

		औषधियों की खरीद (₹ २०,००० २०१९-२० के समाविष्ट हैं)	१,००,०००
		आधिक्य अ. / नी.	१,२००
	३,८३,२००		३,८३,२००

अतिरिक्त जानकारियाँ :

(१) भवन पर ५% प्र.व. की दर और रोगी-वाहन (एंबूलेंस) पर ₹ १५,००० से अवक्षयण लगाइए (Depreciate)।

(२) ३१ मार्च, २०२१ को औषधियों का स्कंध ₹ ११,००० हुआ था।

(३) आजीवन सदस्यता शुल्क को पूँजीकृत करना है।

प्र. ७. राम और श्याम दोनों अपने साझेदारी व्यवसाय की लाभ-हानि समान अनुपात में बाँटते हैं। नीचे दी गई जानकारी से ३१ मार्च, २०२२ को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए लाभालाभ लेखा और उसी तिथि का स्थिति-विवरण तैयार कीजिए : **[१२]**

परीक्षा सूची ३१ मार्च, २०२२ को

विकलनाधिक्य	**राशि (₹)**	**समाकलनाधिक्य**	**राशि (₹)**
बीमा	३०,०००	पूँजी लेखा -	
भूमि एवं भवन	१,००,०००	राम	१,००,०००
(अतिरिक्त ₹ ४०,०००		श्याम	१,००,०००
१ जुलाई, २०२१ को)		१०% बैंक ऋण	
वेतन	१०,०००	(१ अक्टूबर, २०२१	
निर्यात शुल्क	५,०००	को लिया गया)	६०,०००

किराया (भाटक)	२,०००	ब्याज	३,०००
उपस्कर	८०,०००	देय विपत्र	१६,०००
अधमर्ण	५२,०००		
	२,७९,०००		**२,७९,०००**

समायोजनाएँ :

(१) अंतिम स्कंध का मूल्यांकन ₹ ६९,००० हुआ है।

(२) सकल लाभ ₹ ६९,००० रहा था।

(३) बीमा का भुगतान १५ महीने हेतु १ अप्रैल, २०२१ को किया गया।

(४) भूमि एवं भवन पर १०% प्र.व. और उपस्कर पर ५% प्र.व. की दर से अवक्षयण लगाइए।

(५) ₹ २,००० डूबत ऋण (bad-debt) का अपलेखन करके अधमर्णों पर ५% दर से सं. ऋ. स. (R.D.D.) का आयोजन कीजिए।

◆◆◆